Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—0507

PAPER—III

Time : 2½ hours] **SOCIOLOGY** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

SOCIOLOGY

समाजशास्त्र

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

In developing this emancipatory project, Marx produced a formal theory of conflict and change, which he might disavow as a positivistic theory but which has been used nonetheless in developing contemporary conflict theory. In elaborating his model of revolutionary class conflict and social change, Marx delineated an image of social organization that still influences a major portion of contemporary sociological theory. Marx began with a simple and I think simplistic-assumption: Economic organization, especially the ownership of property, determines the organization of the rest of a society. The class structure and institutional arrangements, as well as cultural values, beliefs, religious dogmas, and other idea systems are ultimately a reflection of the economic base of a society. He then added another assumption: Inherent in the economic organization of any society-save the ultimate communistic society-are forces inevitably generating revolutionary class conflict. Such revolutionary class conflict is seen as dialectical and conceptualized as occurring in epochs, with successive bases of economic organization sowing the seeds of their own destruction through the polarization of classes and subsequent overthrow of the dominant by the subjugated class. Hence, a third assumption: conflict is bipolar, with exploited classes under conditions created by the economy becoming aware of their true interests and eventually forming a revolutionary political organization that stands against the dominant property-holding class.

इस उद्धारकारी परियोजना को विकसित कर मार्क्स ने संघर्ष तथा परिवर्तन का एक औपचारिक सिद्धांत दिया जिसे वह एक निश्चयात्मकतावादी सिद्धांत के रूप में अस्वीकृत कर सकता है, पर फिर भी जिसका उपयोग समसामयिक संघर्ष सिद्धांत को विकसित करने के लिए किया जा सकता है। क्रांतिकारी वर्ग संघर्ष तथा सामाजिक परिवर्तन के अपने मोडेल की व्याख्या करते हुए मार्क्स ने सामाजिक संघर्ष की एक छवि प्रस्तुत की है जो आज भी समसामयिक सामाजशास्त्रीय सिद्धांत के बड़े भाग को प्रभावित करता है। मार्क्स ने एक सरल तथा मैं सोचता हूँ एकपक्षीय - मान्यता से शुरुआत की : आर्थिक संगठन, विशेषकर सम्पत्ति का स्वामित्व बाकी के समाज के संगठन को निर्धारित करता है। सांस्कृतिक मूल्यों विश्वासों, धार्मिक मतों तथा अन्य विचार प्रणालियों के साथ-साथ वर्ग संरचना तथा सांस्थानिक व्यवस्थाएँ भी अंतत: किसी समाज के आर्थिक आधार को प्रतिबिंबित करती हैं। ऐसे वर्ग संघर्ष को द्वंद्वात्मक होने के रूप में देखा जाता है तथा युगों के बाद घटित होने वाली घटना के रूप में संकल्पित किया जाता है जिसमें आर्थिक संगठनों के आधार उत्तरोत्तर तथा निरंतर रूप में वर्गों के ध्रुवीकरण द्वारा अपने स्वयं के विनाश के बीज बो रहे हैं जिसके नतीजतन दमित वर्ग द्वारा प्रभुत्वशाली वर्ग का तख्ता पलट दिया जाता है। अत: एक तीसरी मान्यता संघर्ष द्विध्रुवी है जिसमें वर्ग अर्थव्यवस्था द्वारा निर्मित परिस्थितियों के अंतर्गत शोषित वर्ग अपने वास्तविक हितों के बारे में जानकारी रखता है तथा एक क्रांतिकारी राजनीतिक संगठन के रूप में गठित होकर प्रभुत्वशाली सम्पत्ति धारक वर्ग के विरुद्ध खड़ा हो रहा है।

1. How did Marx's theory develop ?
मार्क्स के सिद्धांत का विकास कैसे हुआ?

2. What did Marx delineate ?
मार्क्स ने क्या रूपरेखा दी ?

3. What are Marx's simplistic assumptions ?
मार्क्स के एकपक्षीय मान्यतायें क्या हैं ?

4. How does the author see Marx's revolutionary class conflict ?

मार्क्स के क्रांतिकारी वर्ग संघर्ष सिद्धांत को लेखक ने किस प्रकार व्यक्त किया है?

5. What according to the author is the third assumption of Marx in understanding conflict ?

लेखक के अनुसार संघर्ष को समझने के लिए मार्क्स की तीसरी मान्यता क्या है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Write briefly on Alfred Schultz's phenomenological interactionism.

अलफर्डशुल्ज के घटनाविज्ञान के अन्त:क्रियावाद पर संक्षिप्त में लिखें।

7. Write a note on Jurgen Hebermas's analysis of the public sphere.
जार्गन हैबर मास के 'पब्लिक स्फेयर विश्लेषण' पर नोट लिखिये।

8. Differentiate post-modernism from modernism.
उत्तर-आधुनिकतावाद एवं आधुनिकतावाद में अन्तर बताइये।

9. Explain briefly the diverse tribal cultures in India.
भारत में जनजातीय सांस्कृतिक विविधताओं का संक्षिप्त में व्याख्या करिये।

10. Explain B.R. Ambedkar's approach on studying Indian society in sub-altern perspective.
बी.आर. अम्बेडकर के दलितवादी परिप्रेक्ष्य द्वारा भारतीय समाज के अध्ययन की व्याख्या करिये।

11. Analyse social inequality in relation to caste in Indian society.

भारतीय समाज में जाति के आधार पर व्याप्त सामाजिक असमानता की व्याख्या कीजिए।

12. "Dowry is an instrument of gender inequality" - Comment.

''दहेज लिंग असमानता का एक हथियार हैं'' व्याख्या कीजिए।

13. Discuss briefly the relationship between development and displacement.
विकास एवं विस्थापन के सम्बन्धों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।

14. Explain relationship between environmental pollution and poor health in India.
भारत में खराब स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय प्रदूषण के सम्बन्ध की व्याख्या करिये।

15. Write a note on tradition and modernisation in Indian society.
भारतीय समाज में परम्परा एवं आधुनिकता पर एक नोट लिखिए।

16. Explain secularism and pluralism in relation to nation-building process in India.
धर्मनिरपेक्षता एवं बहुलवाद के परिपेक्ष्य में भारत में राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को बताइये।

17. "Globalisation has provided a new vista in sociological inquiry in India" - Comment.
''वैश्वीकरण ने भारत में समाजशास्त्रीय अध्ययन के लिये नये आयाम दिये हैं।'' व्याख्या कीजिए।

18. Discuss briefly the salient features of Indianisation of sociology.
समाजशास्त्र के भारतीयकरण की मुख्य विशेषताओं का सारांश में वर्णन करिये।

19. Discuss briefly the relationship between privatisation of education and social inequality.
शिक्षा के निजीकरण एवं सामाजिक असमानता के बीच सम्बन्ध पर संक्षिप्त में लिखिये।

20. 'Indian science is devoid of social concern' - Comment.
''भारत में विज्ञान सामाजिक सरोकार से विहीन है'। व्याख्या करिये।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

Rural Sociology

ग्रामीण समाजशास्त्र

21. Describe briefly the impact of "Green Revolution" on rural development.

ग्रामीण विकास में 'हरित क्रांति' के प्रभाव का संक्षिप्त में वर्णन करिये।

22. "In contemporary rural India Panchayati Raj system and the empowerment of women are synonymous to each other". Comment.

''आज के ग्रामीण भारत में पंचायत राज व्यवस्था एवं महिला सशक्तिकरण एक दूसरे के समानार्थक है''। व्याख्या करिये।

23. Discuss the causes of the failure of Peasant Movements is India.

भारत में कृषक आन्दोलनों की असफलताओं के कारणों का वर्णन करिये।

24. Write on migration stream and recent trends in rural India.

ग्रामीण भारत में प्रवसन-प्रवाह एवं नूतन प्रवृत्ति का उल्लेख करिये।

25. Explain briefly Agrarian relations and Mode of Production debate.

सारांश में कृषक-सम्बन्धों एवं उत्पादन के तरीकों पर चल रही बहस का वर्णन करिये।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

Industry and Society

उद्योग एवं समाज

21. "Surplus value and Alienation are interdependent phenomena". Comment.

अधिशेष मूल्य एवं अलगावपन एक दूसरे पर निर्भर करते है''। व्याख्या करिये।

22. Define division of labour and discuss its impact on production.

श्रम विभाजन को परिभाषित करिये तथा उत्पादन में इसके प्रभाव का वर्णन करिये।

23. Comment on the relationships between industry and society.

उद्योग एवं समाज के बीच सम्बन्धों को लिखिए।

24. Write an essay on the changing profile of labour after the adoption of LPG Policy by the government of India.

भारतीय सरकार द्वारा एल.पी.जी. नीति के अपनाने के बाद श्रमिकों के बदलते खाके पर एक निबन्ध लिखिए।

25. Write an essay on the Industrial Policy adopted by the government of India since 1951 - 52.

1951 - 52 से भारतीय सरकार द्वारा अपनाई गई औद्योगिक नीति पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

Sociology of Development

विकास का समाजशास्त्र

21. Differentiate between economic growth and human development.

आर्थिक विकास एवं मानव विकास के बीच अन्तर बताइये।

22. Write briefly on sustainable development.

धारणीय विकास पर संक्षिप्त में लिखिए।

23. Explain the basic tenets of Gunnar Myrdal theory of underdevelopment.

गुनारमिर्डाल के आर्थिक विकास के अविकसित सिद्धान्त की व्याख्या करिये।

24. What do you understand by Trusteeship. Comment on the Gandhian model of development.

न्यास से आप क्या समझते है? गान्धी के आर्थिक विकास मॉडल का वर्णन करिये।

25. Highlight main features of Samir Amin theory of development.

समीर अमीन के आर्थिक विकास के सिद्धान्त का वर्णन करिये।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

Population & Society

जनसंख्या एवं समाज

21. How far are you in agreement with the Malthusian theory of population ? Discuss in brief.

जनसंख्या वृद्धि के माल्थसवादी सिद्धांत से आप कहाँ तक सहमत हैं? संक्षेप में चर्चा कीजिए।

22. What are main causes of disparity of sex-ratio in India ?

भारत में लिंग-अनुपात में असमानता के प्रमुख कारण बताइए।

23. 'Though fertility is a biological process, its determinants are invariably socio-cultural'. Explain.

'यद्यपि प्रजननता एक जैविक प्रक्रिया है, उसके निर्धारक आवश्य रूप से सामाजिक - सांस्कृतिक होते हैं।' स्पष्ट कीजिए।

24. Bring out the important factors affecting population growth in India.

भारत में जनसंख्या वृद्धि पर परिणाम करनेवाले कारकों की चर्चा कीजिए।

25. Education is the best contraceptive of population control. Comment.

'जनसंख्या नियंत्रण का शिक्षा एक सर्वोत्तम निरोधक है।' टिप्पणी कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

Gender & Society

लिंग और समाज

21. Discuss relationship between development and gender.

विकास एवं लिंग के बीच सम्बन्ध की चर्चा करिये।

22. "In the absence of proper strategies, globalization will further strengthen gender in inequality". Comment.

''वैश्वीकरण सही रणनीति के अभाव में लिंग असमानता को और बढ़ायेगा''। व्याख्या करिये।

23. Explain the role of working women in production process.

उत्पादन प्रक्रिया में कामकाजी महिलाओं की भूमिका का वर्णन करिये।

24. "More the development, more welfare of rural women." Comment.

''अधिक विकास, ग्रामीण महिलाओं का अधिक कल्याण''। व्याख्या करिये।

25. Explain the relationships between social structure and gender inequality.

सामाजिक संरचना एवं लिंग असमानता के सम्बन्धों की व्याख्या करिये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Joining the WTO is a boon or a bane for Indian society ? Comment.

''क्या भारतीय समाज का डब्लू.टी.ओ. में शामिल होना एक वरदान या अभिशाप है''। टिप्पणी करें।

OR / अथवा

'Globalisation leads to eradication of caste in India'. Analyse critically.

'वैश्वीकरण भारत में जाति व्यवस्था का उन्मूलन कर सकता है''। आलोचनात्मक व्याख्या करिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....